भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2102
4 अगस्त, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

चक्रवात चेतावनी केंद्र

2102. श्री एम. मोहम्मद अब्दुल्ला:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश के तटीय राज्यों में चक्रवात चेतावनी केंद्र स्थापित किए हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और इन केंद्रों से किन-किन राज्यों के लाभान्वित होने की संभावना है;
(ग) इसके लिए विगत पांच वर्षों में कितनी राशि आवंटित की गई है और इनमें से कितनी राशि खर्च की गई है; और
(घ) तमिलनाडु राज्य में सरकार द्वारा कार्यान्वित की गई या कार्यान्वित की जा रही योजनाओं और परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(ख)-(क) जी हाँ। सभी 9 तटीय राज्यों (अर्थात् गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिसा और पश्चिम बंगाल) और तटों के समानांतर स्थित संघ राज्य क्षेत्र (अर्थात् दादरा और नागर हवेली, दमन, दीव, माहे, यनम, पुदुचेरी) और द्वीप समूहों (लक्षद्वीप तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में सुविकसित चक्रवात पूर्व चेतावनी प्रणाली लगाई गई है। पूर्वी और पश्चिमी तटों क्षेत्रीय चक्रवात चेतावनी केंद्रचक्रवात / चेतावनी केंद्र स्थापित किए गए हैं और भारत मौसम विज्ञान विभाग, मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित केंद्रीय चक्रवात चेतावनी प्रभाग से आंकड़े प्राप्त किए जाते हैं। विवरण नीचे दिया गया है।

तीन क्षेत्रीय चक्रवात चेतावनी केंद्र (ACWC) चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में स्थित हैं और चार चक्रवात चेतावनी केंद्र (CWC) तिरूवनन्तपुरम, विशाखापट्टनम, अहमदाबाद और भुवनेश्वर में स्थित हैं। इन ACWCs और CWCs के क्षेत्र की जिम्मेदारी नीचे तालिका में दर्शाई गई है।

केंद्र	तटीय क्षेत्र*	समुद्रवर्ती राज्य /संघ शासित राज्य
ACWC कोलकाता	राज्य: पश्चिम बंगाल संघ शासित राज्य: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	राज्य: पश्चिम बंगाल संघ शासित राज्य: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
ACWC चेन्नई	राज्य: तमिलनाडु संघ शासित राज्य:पुडुचेरी	राज्य: तमिलनाडु संघ शासित राज्य: पुडुचेरी
ACWC मुंबई	राज्यमहाराष्ट्र और : गोवा राज्य : महाराष्ट्र और गोवा	राज्य :महाराष्ट्र और गोवा राज्य : महाराष्ट्र और गोवा

CWC तिरुवनन्तपुरम	राज्य केरल और कर्नाटक : संघ शासित राज्य: लक्षद्वीप	राज्य केरल और कर्नाटक : संघ शासित राज्य: लक्षद्वीप
CWC अहमदाबाद	राज्य गुजरात : संघ शासित राज्यदादरा नागर : हवेली दमन दीव	राज्य गुजरात : संघ शासित राज्यदादरा नागर : हवेली दमन दीव
CWC विशाखापट्टनम	राज्य आंध्र प्रदेश :	राज्यआंध्र प्रदेश :, यनम
CWC भुवनेश्वर	राज्यओडिशा :	राज्यओडिशा :

तटीय पट्टी की जिम्मेदारी तट रेखा से 75 किमी तक फैली हुई है।

(ग(चक्रवात पूर्वानुमान सहित पूरे देश में पूर्वानुमान क्षमताओं को उन्नत करने के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग में विभिन्न कार्यक्रमों को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अम्ब्रेला योजना वायुमंडल और " अर्थात् वायुमंडलीय प्रेक्षण नेटवर्क "(अक्रॉस) मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएं-जलवायु अनुसंधान, पूर्वानुमान प्रणाली का उन्नयन, मौसम और जलवायु सेवाएं और पोलारिमेट्रिक डॉपलर मौसम रडार के संचालन के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है, वित्तीय वर्ष 2017-18 से अक्रॉस के तहत IMD की सभी 4 उपवार-योजनाओं के लिए वर्ष- संचयी बजट आवंटन और व्यय नीचे दिया गया है:

(रु करोड़ में)

वर्ष	**बजट अनुमान**	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक व्यय**
2017-18	188.75	149.15	134.09
2018-19	186.46	185.89	175.94
2019-20	207.17	224.73	206.04
2020-21	249.22	155.20	150.33
2021-22	255.40	193.68	183.73

(घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)ICARऔर राज्य कृषि ( ) विश्वविद्यालयोंSAU) और अन्य संस्थानों के सहयोग से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMSयोजना "(ब्लॉक स्तर पर कृषि मौसम विज्ञान / के तहत देश में किसानों के लाभ के लिए जिलापरामर्शी सेवाएं)AAS प्रदान कर रहा है। मौजूदा (AAS प्रणाली का मुख्य उद्देश्य जलवायुमौसम/, मिट्टी और फसल की जानकारी एकत्र करना और उन्हें मौसम पूर्वानुमान के साथ जोड़ना है जिससे किसानों को दिनप्रतिदिन कृषि कार्यों में निर्णय लेने में सहायता हो और कृषि प्रचा-लन और कम वर्षा की स्थिति और चरम मौसम की घटनाओं के दौरान मौद्रिक नुकसान को कम करने और फसल की उपज को अधिकतम करने के लिए कृषि स्तर पर संसाधनों का इष्टतम उपयोग हो सके।

कृषि विज्ञान केंद्रों)KVK) में जिला कृषि मौसम इकाइयां (DAMUस्थापित की गई हैं (, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय कृषि मौसम परामर्शी सेवाएँ)AASको लागू (जिला कृषि मौसम इकाइयां स्थापित की गई 10 करती हैं। तमिलनाडु राज्य में कृषि विज्ञान केंद्रों में हैं।

****